प्रकृती का सफेद मायाजाल

हीरे जैसे चमकता सूरज,
गरिमा से खड़ा पर्वत का ऊँचाई,
धूप से नहाते नदी का चमक,
प्रकृती से बनी एक सुंदर चित्र।

पक्षियों के मीठा चहचहाना,
पेड़ों का आंचल में छिपी,
झरने का झर-झर स्वर,
भेड़ियो से चांद की ओर प्रेम संगीत।

गुलाबों के मनमोहक खुशबू,
हवा में फैली हर तरफ,
मौसम का अंत का प्रतीक,
बारिश का आखरी बूँदें गिरा।

देखो वहा आसमान में से,
कुछ नन्ही नन्ही सफेद बूँदें,
गिर रही हैं नीचे ठंड को गले लगाकर
बरसने लगी हैं ओस की बूँदें।

बदल रही हैं ये मौसम,
पानी से ओस में और,
हरियाली से सफेदी में,
सिहर भरी सर्दी का आगमन।

छिपा रहा हैं पेड़ों को,
अपने ठंडा सफेद आंचल में,
जब इस रात में सब सोते हैं,
पेड़ों को सुनाता हैं अपने गहरे प्रेम।
प्रकृती के जादूई कलम से रची,
यह हैं सबसे अनोखा ~~कम~~ कहानी,
हिमकणों और जंगल का,
पवित्र प्रेम का कहानी।

कठोर ठंड से सिहरता है लोग,
लेकिन उसका दिल में है आशा का ज्वाला,
बच्चों सखी का मन में खुशी,
हिम से गोली बनाकर खेलते है वो।
रात में चाँदनी का धागा,
खींचती है वो प्रमियों को,
एक दूसरे के पास,
वहा होता है एक पुण्य संगम,
जंगल और ओस का संगम।

आसमान से गिरी हर ओसकण में,
में है प्रेम का महत्वपूर्ण शक्ती,
पेड़ो का हर पत्तों में है,
जीवन का एक सबक।
प्रकृती ने अपनी हाथो से,
बना है ये सफेद माया जाल,
जंगल के हृदय को बनता है,
प्रेम के अद्भुत कुदृश्यों से।